



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 211] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 25, 1991/आश्विन 3, 1913
No. 211] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 25, 1991/ASVINA 3, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 219-आईटीसी (पीएन)/1990—93

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1991

विषय: आर ई सी की पावर सिस्टम इम्पूवमेंट एण्ड स्माल हाइड्रो-इलेक्ट्रिक परियोजना के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा विस्तारित 24.379 बिलियन येन के लिए 23-1-91 के येन क्रेडिट ऋण संख्या आई डी-पी-66 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

काहल सं. आई पी सी/23(81)/90-93--आर ई सी की पावर सिस्टम इम्पूवमेंट एण्ड स्माल हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा विस्तारित 24.379 बिलियन येन क्रेडिट ऋण सं. आई डी पी-66 दिनांक 23-1-91 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात पर लागू होने वाली लाइसेंसिंग शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं जिसे सूचनाएं अधिसूचित किया जाता है।

डी.आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 219 आईटीसी (पीएन)/
1990—93 दिनांक 25-9-91 का परिशिष्ट

आर ई सी की पावर सिस्टम एण्ड इम्पूवमेंट एण्ड स्माल हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (1) के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ.) द्वारा विस्तारित 24.379 बिलियन येन के लिए 23-1-91 के येन क्रेडिट ऋण संख्या आई डी-पी-66 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड 1: सामान्य शर्तें :

1.(1) आर ई सी की पावर सिस्टम एण्ड इम्पूवमेंट एण्ड स्माल हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना को आयात आवश्यकता के जित्त वान के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा प्रदान किए गए 24.379 बिलियन येन का ऋण जापान और विकासशील देशों, जिनमें भारत और ओईसी सी के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध 1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

1.(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 25.500 बिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिवृत्त विनियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा 2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस(ों) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनियम दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन श्रृण सं. आई सी-पी-66 होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जेसी" कोड होगा। यह कोड तमिलनाडु विद्युत बोर्ड को आयात लाइसेंस सेजते समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी बुझाया जाएगा जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1.(3) तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल टी एन ई सी के पक्ष में लागत बीमा भाड़ा के आधार पर जारी किए जा सकते हैं।

1.(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य 25.500 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि उपर पैरा (2) में कहा गया है।

1.(5) आयात लाइसेंस के वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि के लिए वृद्धि की जा सकती है। आगे और वृद्धि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग, (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1.(6) क्रेडिट के अधीन वित्त-दान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत स्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबन्धित है।

1.(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1.(8) पक्के आवेदन अनुबन्ध-I में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों के अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारत में भारतीय रुपये में देय होगा। "पक्के आवेदों" अर्थात् भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन अन्य आवेदों से हैं जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अन्य संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अधिकर्ताओं को दिए गए आवेदन या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आवेदन स्वीकार्य नहीं हैं।

1.(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस शर्त का तब तक प्रमुपासन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेकों के पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर

वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं।

यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आवेदन चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आवेदन क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस की संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेदन देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) नार्थ ब्लॉक नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों को पूर्ण करने के सम्बन्ध में मास्टर-पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र और तुल्य रूपका जमा करने आदि की स्वीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति देगे।

1.(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के चार महीने के भीतर सभी अनुम भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलवान पर प्रत्यक्ष-प्रत्यक्ष भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में तब आधार पर अर्थात् पोतलवान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की श्रृण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए :

साखपत्र की प्राप्ति के बाद महीने परन्तु अधिक से अधिक के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलवान के लिए आखिरी तिथि निर्धारित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30-6-95 के बाद की न हो।

खण्ड 2: संभरक ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखा जाने वाली विशेष बातें

2.(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (युन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और भारतीय अधिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो, तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

संविदा का मूल्य येन में (या भारतीय संभरकों के मामले में भारतीय रुपये में), अभिव्यक्त होना चाहिए। अन्य आवेदन और संभरक द्वारा पुष्टि-करण आवेदन केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2.(2) श्रृण की रकम के वित्त पोषित किए जाने वाली सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के अन्तर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन बिन्दुओं के अनुसार निम्नलिखित सम्पूर्ण जर्तों के साथ की जाएगी:-

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:-

(i) यदि पूर्व अर्थात् महित औपचारिक खुली अंतर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए प्रा.ई.सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(ii) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. की पुनरीक्षा और अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ निविदा दस्तावेज ओ.ई.सी.एफ. की भी संदर्भ के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निणय के लिए ओ.ई.सी.एफ. के पूर्ण अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है।

लेकिन यदि ओ.ई.सी. पुनरीक्षा के अनुरोध करें तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट प्रावि उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) अगर परामर्शदाताओं फर्मों का नियोजन किया जाए तो ऐसी फर्मों की निम्नलिखित बातें पूरी करनी होंगी:—

- (1) दिए गए अधिकांश श्रेयों के धारक पात्र स्रोत देशों के नागरिक होंगे चाहिए।
- (2) अधिकांश पूर्णकालिक निवेशक पात्र स्रोत देशों के नागरिक होंगे चाहिए।
- (3) ऐसी फर्में पात्र स्रोत देशों में नियमित तथा पंजीकृत होनी चाहिए।

(घ) परामर्शदाताओं के नियोजन के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के संबंध में भी ओ.ई.सी.एफ. का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त किया जाए:—

- (1) शर्तें
- (2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची
- (3) निर्माण पत्र
- (4) संक्षिप्त मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट।

(ङ) प्रत्येक ठेके के साथ परामर्शदाता की पात्रता के संबंध में, परामर्शदाता के हस्ताक्षर तथा तारीख सहित निम्नलिखित घोषणा संलग्न होना चाहिए:—

“मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि (फर्म का नाम) (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में निगमित और पंजीकृत है, और एतद्वारा परामर्शदाती फर्म है जिसके प्रतिशत (2 %) समायित श्रेयों के धारक (संबंधित पात्र स्रोत देशों का नाम) के राष्ट्रिक है और प्रतिशत (%) पूर्णकालिक निवेशक (संबंधित पात्र स्रोत देशों के नाम) के राष्ट्रिक है।

(क) आयातक उपर्युक्त क(1), क(2), (ख) (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग की दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ.ई.सी.एफ. को भेज जाएंगे।

2.(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा 1990-91 के लिए ओ.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई.डी.पी.-74 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय सहायक के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका व्यय नोबे खण्ड-7 में दिया गया है।

2.(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से तुरन्त बाद बिल मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2.(5) संभरक की पात्रता: संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए वैध व्यक्ति होंगे जिनके पास पात्र स्रोत देशों में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपर्युक्त सुविधा हो और जो वहां वास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाते हों।

2.(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात: जिन वस्तुओं में पात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री विहित है उसके लिए वित्तियन किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति युनिट का मूल्य मबवार आधार पर आयातित भाग के 50% से कम हो:—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

2.(7) संविदा में घोषणा:— प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी:

मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल----- (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

मैं, अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार पात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50% से कम है:—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(जहां एकस फैक्टरी मूल्य लागू हो)

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कंपनी का नाम)----- (पात्र स्रोत देश----- का नाम) ----- उसके पास (पात्र स्रोत देश का नाम) में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपर्युक्त सुविधा है और वह वहां वास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाती है।

खंड-3:— संभरक ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली बातें

3.(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होना चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओसीएफ.) के बीच आर ई सी की पावर मिस्टम ईप्रूवमेंट एंड स्मान हाईड्रोपौवैक्टिक (परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आईडीपी-66 परियोजना सहायता) से संबंधित 23 जनवरी, 1991 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरक की भुगतान भारत सरकार और जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी 66 से संबंधित 23-1-91 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साख पत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होना जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन ऋण के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) उपर्युक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में)।

(क) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एकधारा होना चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय बूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोतपरिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय बूतावास, टोकियो को शामिल माल को मुफ्तों के कार्यक्रम से भ्रमण कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 मण्डल पूर्व भारतीय बूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस भ्रमण को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक बगैरे बेते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय बूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खंड 4 : ओ. ई. सी. एफ. द्वारा ठेके की प्रतीक्षा :

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनको हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत बैच आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियां सहित और अनुबंध-2 के प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषयवस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिनके कारण अनिवार्य रूप से आशोधन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस समीक्षा के लिए ओ. ई. सी. एफ. को भेजेगा। आयात लाइसेंस की फोटो कापी और "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन की प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय बूतावास, टोकियो और सी.ए.ए. एंड ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खंड 5 : विदेशी संभरकों को भुगतान माह-पत्र क्रिया-विधि :

5 (1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक ऑफ इंडिया को टोकियो शाखा को गवर्धित संलग्न अनुबंध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो ब्रांच संबंधित विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबंध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबंध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ. ई. सी. एफ. भारतीय बूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक, आर्थिक कार्य विभाग जापान अनुभाग वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5 (2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैंक, टोकियो अनुबंध-4 आयातों के लिए लागू होता है (या अनुबंध-5 सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) भारतीय बूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए. एंड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र-साखपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल को पोतलदान कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया,

टोकियो को प्रस्तुत करेगा जो दस्तावेजों में उल्लिखित घनराशि की विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उस के बाद आयातों को लागू को घनराशि को प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5 (4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन लेन-देन करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को बैंक बैंकिंग प्रभार और विदेशी संभरक के बैंकिंग प्रभार, यदि कोई हो, तो वे आयातक विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। ओ.ई.सी.एफ. ठेके के मूल्य के 1.10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर घनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह घनराशि ओ.ई.सी.एफ. द्वारा स्वयं ऋण/निधियों में चुकाई जाएगी।

ओ.ई.सी.एफ. या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर, आयातक को वचनबद्धता पत्र के खर्चों के तुरंत घनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी। ओ.ई.सी.एफ. का भुगतान की तिथि से रुपये जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रिया-विधि के रहित 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्च चुकाया जाता है। आयातकों द्वारा आयातों के लागू के भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक को भुगतानी की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंधित आयातकों के बैंक द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को घन परेषण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि :

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं को खरीद के लिए ऋण की रकम के संचित करने के लिए क्रियाविधि ऋण समझौते से संबद्ध प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खंड 6 : रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयात के प्राधिकृत बैंक को परामर्श पोत परिवहन दस्तावेज ग्लोब होने से पहले, भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, होम हजारी बिल्डी में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये पर ब्याज प्रभार प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अवधि के लिए 18% प्रतिवर्ष है पर विदेशी संभरक को बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि तक का हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना 3=आईटीसी (पीएन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ ब्याज प्रभार भी सरकारी लेखे में जमा कराना है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि ब्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी सं. भरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है, देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पीएन)/79, दिनांक 12-10-76, सं. 31-आईटीसी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सूचना सं. 74-आईटीसी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख को सुनिश्चित करने के लिए आयातक को भ्रमण से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत परिवहन आदि दस्तावेजों की देरी या विलम्ब से प्राप्त को रुपया निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आंशिक या पूर्ण घन राशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख की लागू विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113-आईटीसी (पीएन)/88-91, दिनांक 6-4-89

में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रण प्रायात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हों।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करना भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि प्रायातकों को प्रायात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी है। प्रायातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकों से दस्तावेजों लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में जमा कर दी गई है यह सुनिश्चित करने के लिए प्रायातक की जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि प्रायातक सरकारी को देय धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, प्रायात-निर्यात को भी जाए ताकि ऐसे प्रायातक को आगे और प्रायात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिन लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट एंड एडवांसज-8443-सिविल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार परचेजिंग एट्सट्रा ब्रान्च परचेजिग अण्ड क्रेडिट्स/नोन एप्लीमेंट्स" नोन कोम बि गवर्नमेंट आफ जापान 24.379 बिलियन येन केडिट सं. आई डी पी -66 फार दी पावर सिस्टम इम्प्रूवमेंट एंड स्माल हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजेक्ट होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तोस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथानिर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में प्रायातक का संबंध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। आसाम के विभिन्न कालमों का भरते समय प्रायातकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना आसाम के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो)" के पूर्ण व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा को वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी. ए. ए. एंड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बोजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एंड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :— भारत में प्रायातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो से अदायगी की सूचना और पराक्रम्य पोतलवान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि उसके तत्काल यदि सी. ए. ए. एंड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य

विभाग) नई दिल्ली को तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए।

खण्ड 7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) प्रायात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्टें

प्रायातक को पोतलवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धन राशि के बारे में साप्ताहिक खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, बी-विंग, 5वां तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों की विशेष शर्तों के बारे में सूचित करना

लाइसेंसधारी के प्रायात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हों।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में भुगतान की शर्तों के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

7(4) भावा अनुदेश

प्रायात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों में संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौता (परियोजना सहायता) सं. आई डी-पी-66 सभी आपारो को निदेशी आर्थिक सहयोगी निधि, जापान (ओईसीएफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर प्रायात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पात्र स्त्रोत देशों की सूची।
2. अनुबन्ध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुवीच।
3. अनुबन्ध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।
4. अनुबन्ध-4 साप्ताहिक का प्रपत्र (प्रायातों के लिए लागू)।
5. अनुबन्ध-5 साप्ताहिक का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)।

उपाबन्ध-1

पात्र स्त्रोत देशों की सूची

क. विकासशील देश और क्षेत्र

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरक्को
तूनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला
बेनिन
बोतस्वाना
बुरुंडी
केमरोन
कैपवर्डी द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
चाड
कोम्बोरो प्राइरीज
कांगो, दाहोमे का गणतंत्र
इक्वेटोरियल गिनी (1)
इथोपिया
जाम्बिया
घाना
गिनी
ग्राइवरी कोस्ट
केन्या
लेसोथो
लाइबेरिया
मालायासी गणतंत्र
मालावी
मल्ला
मारिटिनिया, मारशल
मोजाम्बिक
सेंट हेलेना और जेफ (2)
साओ टोमों और प्रिंसिपल
सेनेगल
सेचिलीज
सीयरे लियोन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैण्ड
टेरो, अफरी और इमस
टोगो
यूगाण्डा
तंजानिया गणतंत्र संघ
घपर बोल्टा
जाइरे गणतंत्र
जाम्बिया

3. अमेरिका, उत्तरी और केलीय

अहामास
अरमुबोस
आरबडोस
बेनीज
कोस्टा रीका
क्यूबा
डामिन्किन गणतंत्र
एल सबाडोर
गुबालोप
ग्वाटेमाला
हैटी
होइरस
जमेका
मारटनिको
नाईगर
पुर्तगाली गिनी

रियूनियन

रोड्रिगिया

स्राण्डा

सैक्सको

नीदरलैंड एण्टीलीज

निकारागुआ

पनामा

सेंट लियरी और मिक्यूलोन

ट्रिनिडाड और टोबागो

(1) फरनाडो पी-प्रो द्वीप, गल्लून स्पेन गिनी का प्रदेश।

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित: एक्वेनियन ट्रिस्टेन डा इमएक्सेसिवल्स, नाईटिंगेल, गफ।

(3) मुख्य द्वीप समूह, ग्रन्वा बोनाइरे, क्यराकाओ, सद्दा सेंट।

3. अमेरिका, उत्तरी और मध्य
वैस्टइण्डीज (आधा) एन-अर्थात्

(क) सह-सम्बन्ध राज्य (1)

(ख) आश्रित (2)

4. दक्षिणी अमेरिका

अर्जेटोना

बोलिविया

ब्राजील

चिली

कोलम्बिया

पगल्फ लेण्ड द्वीप समूह

फ्रांस गिनी

गुयाना

पराग्वे

पीरू

सूरिनाम

उरुग्वे

5. मध्य पूर्वी एशिया

अहरीस

इजराइल

ओर्डन

लेबनान

ओमान

मिरियार्ड अरब गणतंत्र

यूनाइटेड अरब अमिरात (3)

यमन अरब गणतंत्र

यमन जनवादी अणतंत्र (4)

6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान

अंगला देश

भूटान

बर्मा

भारत

मालदीव

नेपाल

पाकिस्तान

श्रीलंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया

ब्रूमो

हुंग-कांग
खमेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
लाओस
मकाओ
मलेशिया
फिलीपाइन
सिंगापुर
ताइवान
थाइलैण्ड
तिमोर
वियतनाम गणतंत्र
वियतनाम जनवरी गणतंत्र

8. ओसिनिया

कुक द्वीप समूह
फिजी
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
क्रोसिस पोलिनेशिया (5)
मार्क
न्यू कैलेडोनिया
न्यू हेब्रिसिस (ब. ओर फ.)
निनु
पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुवा न्यू गिनी
सोलोमन द्वीप समूह (ब.)
टोंगा
वालिस और फुतुना
पश्चिमी सामोआ

यूरोप

साइप्रस
जिब्राल्टर
ग्रीस
माल्टा
स्पेन
सुर्फी
यूगोस्लाविया

लीबियाई अरब गणतंत्र
मैडोन
नाइजीरिया
इक्वेडोर
पेरूएला
इरान
इराक
कुवैत
कतार
साउदी अरब
आबू धाबी
इन्डोनेशिया

ख—ओ. ई. सी. डी. देश

आस्ट्रेलिया
बेल्जियम
कनाडा
डैममार्क
फिनलैंड
फ्रांस
फेडरल रिपब्लिक ऑफ
जर्मनी
ग्रीस
आईस लेण्ड
आयर लैंड
इटली
जापान
संयुक्त राज्य अमेरिका
नीदरलैंड
न्यूजीलैंड
नार्वे
पुर्तगाल
स्पेन
स्वीडन
स्विटजरलैंड
टर्की
इंग्लैंड
संयुक्त राज्य अमेरिका

उपाध— 2

- (1) मुख्य द्वीप एस्टिक, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेण्ट किट्स (सेंट क्रिस्टोफ़र), नाविग-अंफुइला, सेंट लुसिया और सेंट विन्सेंट।
- (2) ग्रेन आइलैण्ड, मोल्तेसरात, सेमान तुर्क और काइकोस और ब्रिटिश द्वीप समूह।
- (3) अज़मन, बुधई, फुजीराह, रास अलखेमाह, शरजाह और अममल क्वाइटान।
- (4) अदन और बिभिन्न सस्तनत और अमीरात सहित।
- (5) सोसायटी आईलैंड्स समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए फ्रांसुस द्वीप समूह, टुआमोटू-मिम्बियर ग्रुप और मार्क्यूस द्वीप समूह।
6. पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रवेश, कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मैरिन द्वीप समूह (गामा कोछा छोड़कर)

(क-2) ओ. पी. ई. सी. के सहयोगी देश
आल्जीरिया
बोसनिया

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र

संख्या

दिनांक

सेवा में,

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू.को. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-- 110001

विषय :-- आपान से ग्रेन क्रेडिट संख्या या आई डी पी
के लिए परियोजना सहायता के अंतर्गत (19

को ----- का आयात।

महोदय

ऊपर उल्लिखित ग्रेन क्रेडिट संख्या आईडीपी -----
(परियोजना सहायता) के अधीन ----- से

-----प्रायातक के संबंध में -----
 ----- (बैंक का नाम) -----
 कि वही होता चाहिए, जो नीचे (द) में सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम साख पत्र खोलने के लिए दिया गया है वे पत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित व्योरे प्रस्तुत करते हैं :

- (क) भारतीय प्रायातक का नाम और पता।
- (ख) प्रायात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह साख पत्र जिस तक वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके-----
 क्या वह सीधे रूप पर आधारित है या औपचारिक खुली अंतर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। जिस मामले में कारणों सहित यह निविदा करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी उपयुक्त आफर के आधार पर किया गया है। कारण बताएं यदि कोई हो।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) पत्र से इतर स्रोत देशों से प्रायातित संघटकों की प्रति-भारता यदि कोई हो।
- (छ) संविदा का कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन)।
- (ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (झ) वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) विदेशों के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता तथा राष्ट्रीयता।
- (ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियां जिनकी संविदा के अंतर्गत भुगतान वेध होंगे।
- (ड) सुपुर्पणी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ढ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाने हुए)।
- (ण) पोतलदान अनुदेश, वाहनान्तरण/पोर्ट गिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए।
- (त) भारत में प्रायातक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा को संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अंतर्गत ओ. ई. सी. एफ. को अधिसूचित किया गया है।
- (द) क्या साखपत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खाते प्रायातक द्वारा या संघटकों द्वारा बहल किए जाते हैं।
- (ध) प्रायातक द्वारा बचनबद्धता :- "हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान को समतुल्य रुपये का पूरा और सही अमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निओप माल (प्रायातित

सम्प्री) की सुपुर्पणी देने से पूर्व तत्काल ही अमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनकी अदायगी करते ही विदेशी राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निवेश कर दिए जाएंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा"।

उपाख्य- - 3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

में,

भारत सरकार,
 वित्त मंत्रालय,
 अधिक कार्य विभाग,
 नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
 टोकियो शाखा,
 टोकियो (जापान)।

विषय :- येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई. डी. पी. के -----के अधीन प्रायात साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्योरे के अनुसार मिसर्स -----के नाम में -----येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति प्रायातक के बैंक ओ. ई. सी. एफ. भारतीय तूतावास टोकियो और हमें पठान-कित की जाए।

3. साखपत्र को शर्तों के अनुसार प्राप्त में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। आप ओ. ई. सी. एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिलिपि का वावा तत्काल करें।

4. विदेशी संभरक को अदायगी करते समय आपके द्वारा-----
 -----) प्रायातक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलदान दस्तावेज (विनियम), अतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई अदायगी को नामें डालने की सूचना, तत्काल अदायगी, यदि कोई को गई हो, तो उसकी प्रति भेजे।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ. ई. सी. एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिलिपि की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभार डाले बिना सामान्य वैकिंग स्रोतों के माध्यम से भारत में संबंधित प्रायातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रख-रखाव करने और साखपत्रों के संचालन और सेवा संबंधी दस्तावेजों के संचालन के संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंक के खर्च भी विदेशी संभरक/प्रायातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/प्रायातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रति पूर्ति का दावा ओ. ई. सी. एफ. से नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है। साखपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधनों या प्राधिकार पत्र के मद्दे भविष्य में साखपत्र इस मंत्रालय में विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र ----- तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार में संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:

1. आयातक ----- को उसके पत्र सं. ----- दिनांक ----- के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि बैंकों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप भ्रावि जमा कराने का प्रबन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण निक्षेप की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलवान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिये अनुमोदित हो जाए निक्षेप कर दिये जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करें पर लाह-ऑन की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंकर ----- 1 (1) यह आयात लाइसेंस संख्या ----- दिनांक ----- के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं को देखें और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्यवाई करें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को शुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113-ग्राईटीसी (पीएन)/88-91, दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों की भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18% वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया की प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-ग्राईटीसी (पीएन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराना है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाना है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक की सीमा 2492 GI/91-2

शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों को मूल सैट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

(3) ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के वाहिनी और कोड सं. 513000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-ग्राईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 30-8-68 तथा 233-ग्राईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-68, संख्या 132-ग्राईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 संख्या 74-ग्राईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 तथा सं. 103-ग्राईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर खिनाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है। "के डिपोजिट्स एण्ड एडवांसिज-8443 सिविल डिपोजिट्स, डिपोजिट्स फोर परचेजिज एटसेट्स ग्रबरोड ग्रण्डर परचेजिज क्रेडिट/लोन एप्रिमेट्स" लोन फ्रॉम दी गवर्नमेंट आफ जापान 24.379 बिलियन येन क्रेडिट (प्रोजेक्ट एंड) नवम्बर नम्बर ग्राईटीसी 66 फार 1989-90।

(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-ग्राईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जाए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देने हुए एक अग्रपत्र पत्र होना चाहिए:--

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), (बी-फिंग),
जनपथ भवन, 5 वां तल,
जनपथ, नई दिल्ली।

(5) जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुई शर्तों द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

(6) संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ ई सी एक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो का देय व्याज प्रसार बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी अदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो का देय व्याज प्रसार बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखों पर प्रसार जाने वाला बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ आप के द्वारा सीधे निपटाए जाएंगे।

(7) संभरक को कौ जाने वाली प्रत्येक अदायगी, मूल प्रलेख (चाहे वह वाणिज्यिक बीजक, बैंक गारन्टी, कार्य निष्पादन गारन्टी, पोत परिवहन इत्यादि के लेन-देन संबंधी सैट हो क्यों न हो) को उपर्युक्त (2) और (3) पर कार्यवाही न की जाए तो आयातक को उन्हें रिवाज न किया जाए।

(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत वितरक के रूप में बैंक के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए.डी. परिपत्रों में निर्धारित किया गया है। इस संबंध में 18-6-77 के ए.डी. परिपत्र सं. 22 के विशेष संदर्भ की ओर ध्यान दिनाय जाता है।

(9) इस पत्र की पावती भेजी जाए और भावी पत्राचार में संदर्भ इत्यादि को वर्णया जाए।

3 निदेशक, ऋण विभाग-2, विदेशी सहयोग निधि टाकेवासी गोडो बिल्डिंग 4-1 ओहटेमासी 1 कोमे, शियाडा क, टोकियो 100, जापान।

4 भारतीय राजाशास, टोकियो।

5. अवर सचिव, आपात अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखा अधिकारी

उपाबन्ध-4

प्रपत्र ओ.ई.सी.एफ.एल.सी.-1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(माल के लिए लागू)

(दिनांक)

सेवा में,

यह साखपत्र (श्रेणी) और विदेशी सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. ----- दिनांक ----- के अनुसरण में जारी किया गया है।

सहोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बीजक मूल्य के लिए आप के साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. खोल दिया है जो ----- (अर्थात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक पोत परिवहन निबन्ध खान बिल जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा सैट हो, ब्लैक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फ्रेट एवं नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज जिनमें पोतलदान (माल के खान का संक्षिप्त विवरण)

को प्रमाणित करने हुए संविदा सं. ----- (यदि कोई हो) के संबंध में ----- से ----- तक आणिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनांतरण होता चाहिए। खान बिल ----- के बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। ऋण ----- तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. ----- दिनांक ----- के अंतर्गत आहरण किया गया और आयात संबंध सं. ----- संख्याएं, (यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरण नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डाकुमेंट्री क्रेडिट्स (1974 रिबीजन) इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स, पब्लिकेशन्स सं. 290" के अधीन है। लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए वचनबद्धता पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेने-देने करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताने हुए ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि गेज दस्तावेज सौध हो हवाई डाक द्वारा ----- को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक के खर्च आयातक/संभरक के खाने से देय हैं।

भवदीय,

()
(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा -----

प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपाबन्ध-5

प्रपत्र ओ.ई.सी.एफ.एल.-2

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक :

सेवा में,

----- यह साखपत्र (श्रेणी) और विदेशी
----- आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार

सं. ----- दिनांक ----- के अनुसरण में जारी किया गया है।

(संभरक का नाम और पता)

प्रिय सहोदय,

आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिये द्विआधिकारी के ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कुल धनराशि ----- (येन से अधिक नहीं है) के लिये खोल दिया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में डेका सं. ----- से संबंधित दस्तावेज होने चाहिए। लेन-देन के लिये ड्राफ्ट ----- से पहले प्रस्तुत किये जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. ----- के अंतर्गत खान" लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणनीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किये जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाये यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डाकुमेंट्री क्रेडिट्स (1974 रिबीजन) इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स प्रोशर नं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश:

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (श्रेणी और इसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों में मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाय द्विआधिकारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण, समझौते के अधीन जारी किये गये वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के भुगतान के लिये प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाव हम तेज-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुबंधों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि प्रेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस साख्यपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आयातकों/संभरकों के खातों में वेंय हूँ।

भवदीय,
(वाणिज्यिक बैंक)
द्वारा _____
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची :

यह भुगतान अनुसूची हमारे साख्यपत्र मन्त्र्या-----का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

अनुराशि-----येन जो कुल संविदा मूल्य का-----प्रतिशत है। अपेक्षित वस्तावेज-----; हिताधिकारी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख :

2. भुगतान प्राप्ति :

सम्पूर्ण योग अनुराशि-----येन जो कुल संविदा का मूल्य-----प्रतिशत है। जिसका भुगतान निम्न प्रकार से किया जाना है :

देय अनुराशि : प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख

पहली किस्त, येन -----
दूसरी किस्त, येन -----

अपेक्षित वस्तावेज : (ऋण भयवा; उसके मनोज्ञीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादित के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण-----
दिनांक-----
संदर्भ-----

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ : ऋण करार म-----के अन्तर्गत-----
परियोजना संसद्घित-----के नाम के-----
येन के लिए-----द्वारा जारी किए
साख्यपत्र की म-----दिनांक-----
(ऋणी) का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं प्रबोद्धहस्ताक्षरी, और-----
के बीच संविदा मं-----
दिनांक-----में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहायता निधि द्वारा-----

(येन की अनुराशि)-----येन मात्र प्राप्त करने के लिये-----को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करता है।

(ऋणी)
द्वारा -----
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुबंध :

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा। भुगतान शर्तें :

यह भुगतान शर्तें हमारे साख्यपत्र मं-----का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान :

अनुराशि-----येन कुल संविदा मूल्य का-----प्रतिशत है। अपेक्षित वस्तावेज : अंतिम तिथि भुगतान :

2. मध्यम भुगतान (यदि कोई हो)

अनुराशि-----येन कुल संविदा मूल्य का-----प्रतिशत है अपेक्षित वस्तावेज : प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पीत परिवर्द्धन वस्तावेजों के मद्दे भुगतान :

अनुराशि-----येन कुल संविदा मूल्य का-----प्रतिशत है।

टिप्पण : यह संलग्न शाट परिवर्द्धन वस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE (Import Trade Control)

Public Notice No. 219 ITC(PN)/1990-93
New Delhi, the 25th September, 1991

Subject :—Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit Loan No ID-P. 66 dated 23-1-91 for Yen 24.379 Billion for The Power System Improvement and Small Hydro Electric Project of REC, extended by The Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan regarding.

File No. IPC/23(81)/90-93:—The terms and conditions governing imports of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-No. 66 dated 23-1-91 for Yen 24.379 Billion for The Power System Improvement and Small Hydro Electric Project of REC, extended by The Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in Appendix to this Public Notice and are notified for information,

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce
Public Notice No. 219 ITC(PN)/90-93
dated the 25th September, 1991
Licensing conditions in respect of Import of Equipment and services under The Yen Credit Loan No. ID-

P. 66 dated 23-1-91 for Yen 24.379 billion for the Power System Improvement and Small Hydro Electric Project of REC extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

Section 1—General Conditions

I (i) The Yen Credit of Yen 24.379 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the POWER SYSTEM IMPROVEMENT AND SMALL HYDRO ELECTRIC PROJECT OF REC untied in favour of Japan, developing countries (including India), and all member countries of OECD. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 25.500 Billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. 10-p66". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to REC a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) import licence(s) can be issued only in favour of REC.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 25.500 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E. A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charged will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-95.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review and concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the documents etc. will also be submitted to OECF for its reference to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract.

if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all of the following conditions.

(i) A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible Source Countries;

(ii) A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible Source Countries;

(iii) Such firms shall be incorporated and registered in the Eligible Source Countries.

(d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :—

(i) Terms of Reference

(ii) Short List of Consultants

(iii) Letter of Invitation

(iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet

(c) The following declaration as to the eligibility of the Consultant, signed and dated by the Consultant, shall be attached to each contract:

"I, the undersigned, hereby certify that,——
———(name of firm) has been incorporated and registered in———
(name of the Eligible Source Country concerned), and is an eligible consulting firm,——— per cent (%) of the subscribed shares being held by nationals of———(name of the Eligible Source Countries concerned) and——— per cent (%) of the fulltime directors being nationals of———(name of the Eligible Source Countries concerned)".

(f) The application/documents mentioned in (a)(i) (a) (ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A. in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged, through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P66 dated 23-1-91 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries and actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible sources countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

IMPORTED CIF Price + Import Duty \times 100
Supplier's FOB Price

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods, and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in ———— (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula :

IMPORTED CIF Price + Import Duty \times 100
Supplier's FOB Price
(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that ———— (Name of company) has been incorporated and registered in ———— (name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services in (name of Eligible Source Country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 23rd Jan., 1991 concerning the Yen Credit No. ID-P 66 (Project Aid) for the Power System Improvement and Small Hydro Electric Project of REC.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P-66 dated 23-1-91 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that

the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of the Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF.

IV(i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV(ii) The above procedure will also supply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV(iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of Contract along with a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A along with one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V(i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached at Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for service) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V(ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from

CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V(ii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V(iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there-under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt if an amount to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V(v) Reimbursement Procedure.—Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit.

VI(i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tir. Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier

and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Bankers from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-8443-civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 24,379 million Yen credit No. ID-P 66 for the Power System Improvement and Small Hydro Electric Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000909 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tir. Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should

be ensured by the importers|their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans:—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned Bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence. The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made thereagainst and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor Janpath Bhavan, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure II under "Terms of Payment", Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence

and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P 66 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act. VIII (vi) List of Annexures.

Annexure-I List of eligible source countries.

Annexure-II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III Form of Letter of Authority.

Annexure-IV Form of Letter of Credit
(Applicable to imports).

Annexure-V Form of Letter of Credit
(Applicable to Services)

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of
Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomé and Príncipe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone

Somalia
Sudan
Swaziland
Terro, Afars and Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III AMERICA, North end

Cont.
Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
EL Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

III AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n i.e.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain
Israel

Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Philippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis, Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quwain.

4. Including Aden and various sultanates and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.).

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
The Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
U.K.
U.S.A.

ANNEXURE II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit.
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Subject : Import of from Japan under the
Yen Credit No. ID P (Project Aid for
1985-86)

Sir,

In connection with the import of from under the above mentioned Yen Credit No. ID-P (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the (name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.

(r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers or Supplier.

(s) Undertaking by the importer --

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of good (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE III

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To,

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject :—Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P . Issue of Letter
of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen

favouring M/s. as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF

4. On making payment to the foreign supplier you should send to (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

2492GI/91—4

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. And when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker—(i) This has reference to import licence No.

dated . This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Overseas

suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-1989 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first 30 days and at the rate of 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursement to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Govt. account is also required to be deposited into Govt. of India account in terms of Public Notice No 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both days i.e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Govt. account (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—8443—Civil Deposits— for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 24.370 Billion Yen Credit (project aid) No. ID-P. 66 for 1989-90.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India,

Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc for future correspondence may be indicated.

3. The Director Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE IV

FORM OECF—LC 1 Irrevocable Letter of Credit (Applicable for goods)

Date :

To,

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No

Dated
between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sum not exceeding an aggregate amount of _____ (₹/Yen) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. (if any) from to Partial shipments are permitted. Transshipment is permitted Bills of lading must be presented for negotiation not later than . All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable credit No. dated and Export Reference No.(s) (if any). This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payment from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to -----.
3. All banking charge under this credit are for the account of importer|supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)
By : Authorized Signature

ANNEXURE V

Form OECF—LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

To,

(Name and address of the Supplier)

Date :

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No.

dated
between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour ing the imports under Yen credit. The Licensing aggregate amount of (say Yen) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No.

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the term of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provision of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer|supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payments

Amount : Yen _____

being _____% of the total contract price

Required documents: beneficiary's Statement
Latest presentation date: _____

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen _____

being _____% of the total contract price to be paid as follows:

Amount due	Latest presentation
_____	_____

1st Instalment: Yen _____

2nd Instalment: Yen _____

Required documents: A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date: _____

Ref. No. _____

To _____

(Name and address of the supplier)

Re: Letter of Credit No. _____ dated _____
issued by _____
for Yen _____ in favour of _____

concerning _____
Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of Yen _____ (Yen _____ only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____ between _____ and _____

(Borrower)

By _____
(Authorised Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : Yen _____

being _____% of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date: _____

II. Intermediate payment (If any)

Amount : Yen _____

being _____% of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date: _____

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen _____

being _____% of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.